

[Skip to main contents](#) | Text Size: [A-](#) [A](#) [A+](#) | Contrast Scheme: [A](#) [A](#) | [Screen](#)

[Reader Access](#) | [Login Dealer/Vendor](#) |

Search...



Join us on:

[Complaints & Feedback](#) [Contact Us](#)



ABOUT US

PRODUCTS &  
SERVICES

PRESS & MEDIA

INVESTORS

CSR & ENVIRONMENT

CAREERS

## Press & Media

Press Release

**Press Release**

Press Kit

Media Queries

[Home](#) » [Press & Media](#) » [Press Release](#) » Press Release

## Press Release



### Press release Q4 and FY 2018-2019

April - March 18-19



1. चतुर्थ तिमाही में रुपये.2,970 के शुद्ध लाभ में 70% की वृद्धि हुई है जबकि पिछले वर्ष चतुर्थ तिमाही में शुद्ध लाभ रुपये.1,748 करोड़ रहा।
2. वित्त वर्ष 2018-19 का शुद्ध लाभ 6,029 करोड़ रुपये था जो लगातार तीसरे वर्ष 6,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

### 3. वित्त वर्ष 2018-19 में अब तक का सर्वाधिक भौतिक निष्पादन रहा: जबकि रिफाइनरी का थ्रूपुट 18.44 एमएमटी एवं विपणन बिक्री 38.71 एमएमटी रही।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान उत्कृष्ट भौतिक और वित्तीय निष्पादन दर्ज किया है। वित्त वर्ष 2017-18 में 12,522 करोड़ रुपये का ईबीआईटीडीए की तुलना में वित्त वर्ष 2018-19 में कॉर्पोरेशन ने 13,077 करोड़ रुपये का ईबीआईटीडीए हासिल किया। अस्थिर कूड की कीमतों, बाजार के टूटने और रुपये के मूल्यहास के बावजूद, एचपीसीएल रिफाइनरी में बढ़ते थ्रूपुट, उच्च विपणन बिक्री की मात्रा, बेहतर परिचालन दक्षता और इन्वेंट्री लाभ के कारण उच्च ईबीआईटीडीए प्राप्त करने में सक्षम रहा। वर्ष 2017-18 के दौरान एकल (स्टैंडअलोन) आधार पर 6,029 करोड़ रुपये के कर उपरांत लाभ (पीएटी) की तुलना में वर्ष 2018-19 के दौरान कर उपरांत लाभ 6,357 करोड़ रुपये रहा। पूर्व वित्त वर्ष के दौरान सकल बिक्री 2,43,227 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त वर्ष 2018-19 में यह बढ़कर 2,95,713 करोड़ रुपये हो गई।

वर्ष 2018-19 के दौरान, एचपीसीएल की मुंबई और विशाख रिफाइनरियों ने अधिकतम कूड प्रोसेसिंग किया है और वर्ष 2017-18 के दौरान प्राप्त 18.28 एमएमटी के थ्रूपुट की तुलना में 117% की क्षमता के उपयोग के साथ 18.44 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) के उच्चतम संयुक्त रिफाइनिंग थ्रूपुट को प्राप्त किया है। दोनों रिफाइनरियों ने व्यक्तिगत आधार पर सबसे अच्छा कूड थ्रूपुट निष्पादन दर्ज किया। रिफाइनरियों में कूड प्रोसेसिंग के अधिकतमकरण ने एचपीसीएल को एलपीजी (896 टीएमटी), ल्यूब ऑयल बेस स्टॉक (474 टीएमटी) और बिटुमेन (1,267 टीएमटी) के उच्चतम उत्पादन को प्राप्त करने में मदद की। एचपीसीएल रिफाइनरियों ने ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट निष्पादन करते हुए वर्ष के दौरान सबसे कम संयुक्त ऊर्जा खपत का रिकॉर्ड बनाया। एचपीसीएल ने वर्ष 2017-18 के दौरान यूएस \$ 7.40 प्रति बैरल की तुलना में वर्ष के दौरान 5.01 यूएस \$ प्रति बैरल के सकल रिफाइनिंग मार्जिन को हासिल किया। एचएसडी और एफओ को छोड़कर सभी उत्पादों में कम क्रेक, कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि के कारण उच्च ईंधन और हानि लागत तथा रुपये के मूल्यहास की वजह से घटती बढ़ती विनियम दरों के कारण मुख्यतया पिछले वर्ष की तुलना में जीआरएम कम था।

वर्ष 2018-19 के दौरान, एचपीसीएल ने ऐतिहासिक रूप से 4.7% की घरेलू बिक्री में वृद्धि के साथ 38.7 एमएमटी की उच्चतम बिक्री मात्रा हासिल की। वित्तीय वर्ष 2017-18 की तुलना में मोटर स्पिरिट (पेट्रोल) की घरेलू बिक्री में 6.8%, हाई स्पीड डीज़ल में 2.1%, एलपीजी में 7.1%, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) में 20%, बिटुमेन में 26.4% और ल्यूब्स में 8% की वृद्धि हुई।

एचपीसीएल लगातार छठे वर्ष के लिए भारत का सबसे बड़ा ल्यूब विक्रेता बना हुआ है, जिसमें वर्ष के दौरान कुल मिलाकर 650 टीएमटी की बिक्री हुई है। एचपीसीएल ने वर्ष 2018-19 के दौरान पीएसयू तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के बीच मोटर ईंधन की बिक्री में 0.17% की रिकार्ड बाजार हिस्सेदारी दर्ज की। एचपीसीएल भारत का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी विक्रेता है। औद्योगिक और उपभोक्ता (आई एवं सी) व्यवसाय में, एचपीसीएल ने लगातार तीसरे वर्ष 5 एमएमटी की बिक्री की मात्रा को पार कर लिया है।

एचपीसीएल ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 7,218 करोड़ रुपये की तुलना में 2018-19 के दौरान कर उपरांत लाभ 6,691 करोड़ रुपये समेकित रूप से दर्ज किया है। एचएमईएल और एमआरपीएल के मुनाफे में कमी होने के कारण समेकित कर उपरांत लाभ में कमी आई है, जिसके परिणामस्वरूप एचपीसीएल के मुनाफे में हिस्सेदारी में कमी हुई। इस प्रकार वित्त वर्ष 2018-19 के लिए एमआरपीएल का मुनाफा हिस्सेदारी 58 करोड़ रुपये था जबकि यह वर्ष 2017-18 के दौरान 338 करोड़ रुपये था।

वर्ष 2018-19 के लिए, एचपीसीएल ने प्रति शेयर रुपये 9.40 का अंतिम लाभांश प्रस्तावित

किया है जो अंतरिम लाभांश 6.50 रुपये प्रति शेयर मिलाकर प्रति शेयर रुपये 15.90 का दिया है।

## 31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही

जनवरी-मार्च 2019 की अवधि के लिए, एचपीसीएल ने पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही के 1,748 करोड़ रुपये के कर पश्चात लाभ की तुलना में 2,970 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ (पीएटी) दर्ज किया है। सकल बिक्री जनवरी-मार्च 2018 की अवधि के लिए 66,351 करोड़ रुपये की तुलना में जनवरी-मार्च 2019 के दौरान 72,840 करोड़ रुपये रही। लाभ में वृद्धि मुख्य रूप से 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही के दौरान बढ़ी हुई बिक्री, बेहतर लॉजिस्टिक्स, दक्षता, इनवेंटरी लाभ और रुपये के अभिमूल्यन के परिणामस्वरूप हुई।

जनवरी-मार्च 2019 के दौरान, एचपीसीएल ने पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 6.5% की वृद्धि के साथ 10.03 एमएमटी की घरेलू बिक्री की मात्रा दर्ज की। पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में मोटर स्पिरिट (पेट्रोल) की बिक्री में 8.5%, हाई स्पीड डीज़ल में 3.0%, एलपीजी में 12.9%, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) में 17%, बिटुमेन में 24.2% और ल्यूब में 5.3% की वृद्धि हुई है।

मुंबई और विशाख स्थित रिफाइनरियों ने जनवरी-मार्च 2019 के दौरान 4.60 एमएमटी कच्चे तेल का प्रसंस्करण किया। जनवरी-मार्च 2019 की अवधि के दौरान संयुक्त जीआरएम US \$ 4.51 प्रति बैरल था, जबकि पिछली अवधि में यह US \$ 7.07 प्रति बैरल था। रिफाइनरी मार्जिन मुख्य रूप से हल्के और मध्य आसवन उत्पादों में कम क्रेक के कारण कम हुआ है।

वर्ष 2018-19 के दौरान, 11,689 करोड़ रुपये के कुल पूंजीगत व्यय के साथ कई पूंजी परियोजनाएं पूरी हुईं। रमनमंडी बहादुरगढ़ पाइपलाइन (आरबीपीएल) की 4.71 से 7.11 एमएमटीपीए की क्षमता विस्तार की पाइपलाइन परियोजना निर्धारित समय और लागत के भीतर पूरी की गई। विशाख ब्लैक ऑइल टर्मिनल पर नए रेलवे टैंक वैगन गैन्ट्री की स्थापना, जबलपुर डिपो में मौजूदा टैंक वैगन सुविधा में सुधार तथा अमृतसर, भुवनेश्वर, रायपुर और कोल्हापुर हवाई अड्डों पर नए विमानन ईंधन स्टेशनों की स्थापना के साथ पीओएल आपूर्ति नेटवर्क को मजबूत किया गया। वारंगल (तेलंगाना) में 60 टीएमपीटीए की भराई क्षमता के साथ एक नए एलपीजी भराई संयंत्र की स्थापना तथा मौजूदा एलपीजी संयंत्रों में 330 टीएमटीपीए की अतिरिक्त भराई क्षमता बढ़ाने के साथ एलपीजी आपूर्ति के बुनियादी ढांचे को सशक्त किया गया।

वर्ष 2018-19 के दौरान 478 नए रिटेल आउटलेट और 1,018 नए एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स कमीशन किए गए, जिससे 31 मार्च, 2019 तक कुल रिटेल आउटलेटों की संख्या बढ़कर 15,440 और कुल एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स की संख्या 5,866 हो गई।

ग्राहक मूल्य और परिचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए, एलपीजी परिवहन हेतु चार (4) रेल रेक की खरीद और क्रियान्वयन; मोबाइल फ्यूल डिस्पेंसर 'एचपी फ्यूल कनेक्ट' की शुरूआत; और विभिन्न स्थानों पर स्मार्ट टर्मिनल पहल के कार्यान्वयन सहित वर्ष के दौरान कई पहल की गईं।

एचपीसीएल ने अपनी वैश्विक उपस्थिति में विस्तार किया है और यह 11 देशों में एचपी ल्यूब्रिकेंट की आपूर्ति कर रही है। दुबई में नवगठित पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी "एचपीसीएल मिडिल ईस्ट एफ़ज़ेडसीओ" ने भी अपने परिचालन शुरू कर दिए हैं।

एचपीसीएल की विशाख रिफाइनरी की आधुनिकीकरण परियोजना और मुंबई रिफाइनरी विस्तार

परियोजना अच्छी प्रगति कर रही है। दोनों परियोजनाओं के लिए प्रमुख अनुबंध प्रदान कर दिए गए हैं और साइट निर्माण गतिविधियां जारी हैं। एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) की 9 एमएमटीपीए की ग्रीनफील्ड रिफाइनरी सह पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स परियोजना की सभी प्रक्रिया इकाइयों के लिए लाइसेंसधारी चयन पूरा हो चुका है और बाड़मेर के पचपदरा में साइट निर्माण गतिविधियाँ जारी हैं। राजस्थान रिफाइनरी परियोजना के लिए वित्तीय क्लोजर प्राप्त कर लिया गया है। वर्ष के दौरान एचपीसीएल के अनुसंधान और विकास को 12 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट प्रदान किए गए।

### एचपीसीएल की प्रमुख चालू पाइपलाइन परियोजनाएँ:

- मुंद्रा दिल्ली पाइपलाइन (एमडीपीएल) क्षमता विस्तार,
- वडोदरा में नए ग्रीनफील्ड टर्मिनल सहित पालनपुर से वडोदरा तक विस्तार लाइन,
- विशाख विजयवाड़ा सिकंदराबाद पाइपलाइन (वीवीएसपीएल) क्षमता विस्तार और
- विशाख विजयवाड़ा सिकंदराबाद पाइपलाइन (वीवीएसपीएल) का विजयवाड़ा से धर्मपुरी तक विस्तार और धर्मपुरी में विपणन टर्मिनल का निर्माण कार्य जारी है।

इसके अलावा, उरण चाकन एलपीजी पाइपलाइन परियोजना पूरी होने के आखिरी चरण में है। एचपीसीएल को 9 राज्यों में सीजीडी नेटवर्क स्थापित करने के लिए अधिकृत किया गया है। इसके साथ ही एचपीसीएल स्वयं के और अपनी संयुक्त उद्यम कंपनियों के माध्यम से 9 राज्यों में 20 भौगोलिक क्षेत्रों में सीजीडी नेटवर्क के लिए प्राधिकृति प्राप्त है। एलएनजी के लिए पर्यावरण मंजूरी मिल चुकी है, छारा गुजरात में संयुक्त उद्यम में रिगैसीफिकेशन टर्मिनल स्थापित किया जा रहा है।

देश में खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन की व्यापकता को बढ़ाने में मदद करने के लिए, एचपीसीएल ने निम्न आय वाले परिवारों की महिलाओं को प्रधानमंत्री उज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत लगभग 1.97 करोड़ नए एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए हैं। इसके अलावा, एचपीसीएल ने 31 मार्च, 2019 तक देश भर में 27,000 एलपीजी पंचायतों का आयोजन करके एलपीजी के सुरक्षित और स्थायी उपयोग के बारे में 34 लाख से अधिक लोगों को जागरूक किया है।

वंचित लोगों के जीवन में एक सकारात्मक बदलाव और समृद्धि लाने के लिए, एचपीसीएल ने वर्ष 2018-19 के दौरान 160 करोड़ रुपये की लागत के साथ बाल शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में कई सारी सीएसआर पहल क्रियान्वित की हैं। स्वच्छ भारत अभियान का समर्थन करने के लिए, एचपीसीएल ने 31 मार्च, 2019 तक देश भर के विभिन्न स्कूलों में 2,300 से अधिक नए शौचालयों का निर्माण किया है।

व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए, एचपीसीएल को वर्ष के दौरान कई प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। एचपीसीएल को निम्नलिखित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया -

- फेडरेशन ऑफ़ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (एफआईपीआई) द्वारा लगातार तीसरे वर्ष "ऑयल मार्केटिंग कंपनी ऑफ़ द इयर" का पुरस्कार दिया गया
- डन एंड ब्रैडस्ट्रीट पीएसयू अवार्ड्स 2018 में, विनिर्माण, प्रसंस्करण और निर्माण क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ नवरत्न" पुरस्कार
- स्टार रिटेलर अवार्ड्स 2018 में "फोरकोर्ट रिटेलर ऑफ़ द इयर" पुरस्कार
- केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ संस्थागत प्रथाओं' के लिए "सतर्कता उत्कृष्टता पुरस्कार 2018"

- 1. Net Profit increase by 70% in Q4, Rs 2,970 Crs vs previous Q4 net profit of Rs 1,748 Crs**
- 2. FY 2018-19 Net profit Rs 6,029 Crs - Third consecutive year of Rs 6,000 Crs plus**
- 3. Highest ever physical performance in FY 2018-19: Refinery throughput of 18.44 MMT and Marketing sales of 38.71 MMT**

Hindustan Petroleum Corporation Ltd. (HPCL) has recorded excellent physical and financial performance during the financial year 2018-19. Corporation achieved EBITDA of Rs 13,077 Crs in FY 2018-19 as compared to EBITDA of Rs 12,522 Crs in FY 2017-18. In spite of volatile crude prices, lower cracks and depreciation of rupee, HPCL was able to achieve higher EBITDA due to increased throughput at refinery, higher marketing sales volume, better operational efficiency and inventory gains. Profit After Tax (PAT) of Rs 6,029 crore on standalone basis during 2018-19, as compared to PAT of Rs 6,357 crore during 2017-18. Gross Sales during 2018-19 increased to Rs 2,95,713 crore as against Rs 2,43,227 crore during the previous financial year.

During 2018-19, HPCL refineries at Mumbai and Visakh have maximized crude processing and achieved the highest ever combined refining throughput of 18.44 Million Metric Tonnes (MMT) with capacity utilization of 117%, compared to throughput of 18.28 MMT achieved during 2017-18. Both refineries recorded the best ever crude throughput performance on individual basis as well. Maximization of crude processing at refineries helped HPCL achieve the highest ever production of LPG (896 TMT), Lube Oil Base Stock (474 TMT) and Bitumen (1,267 TMT). HPCL refineries also achieved excellent performance in the area of energy efficiency and recorded the lowest ever combined specific energy consumption during the year. HPCL achieved combined Gross Refining Margin of US\$ 5.01 per barrel during the year as compared to US\$ 7.40 per barrel during 2017-18. GRMs were lower in comparison to previous year mainly on account of reduced cracks in all products except HSD and FO, higher fuel & loss cost due to increased crude price and exchange rate variation loss due to rupee depreciation.

During 2018-19, HPCL achieved the highest ever sales volume of 38.7 MMT with a domestic sales growth of 4.7% over historical. Domestic sales of Motor Spirit (Petrol) increased by 6.8%, High Speed Diesel by 2.1%, LPG by 7.1%, Aviation Turbine Fuel (ATF) by 20%, Bitumen by 26.4% and Lubes by 8%, compared to financial year 2017-18.

HPCL continues to be India's largest lube marketer for the sixth consecutive year with overall lubricant sales volume of 650 TMT during the year. HPCL recorded market share gain of 0.17% in Motor Fuel sales amongst PSU OMCs during 2018-19. HPCL continues to be India's

second largest LPG marketer. In Industrial & Consumer (I&C) business, HPCL exceeded 5 MMT sales volume for the third consecutive year.

HPCL reported consolidated PAT of Rs 6,691 crore during 2018-19 as against Rs 7,218 crore during previous financial year. The consolidated PAT is lower due to reduction in profits of HMEL & MRPL, resulting in reduction of HPCL's share of profits. Further share of profit from MRPL for FY 2018-19 was Rs 58 crore as against Rs 338 crore during 2017-18.

For the year 2018-19, HPCL has proposed a final dividend of Rs. 9.40 per share, which combined with the interim dividend Rs 6.50 per share totals to a dividend of Rs.15.90 per share.

## **QUARTER ENDING 31st MARCH, 2019**

For the period January-March 2019, HPCL recorded a Profit after Tax (PAT) of Rs 2,970 crore against a PAT of Rs 1,748 crore for the corresponding quarter of previous financial year. The gross sales was Rs. 72,840 crore during January-March 2019 as compared to Rs. 66,351 crore for the period January-March 2018. Increase in profits is mainly attributable to increased sales, improved logistics, efficiency, inventory gains and rupee appreciation during Q4 of financial year ending 31st March 2019.

During January-March 2019, HPCL recorded domestic sales volume of 10.03 MMT with a growth of 6.5% over the corresponding quarter of previous year. The sales of Motor Spirit (Petrol) increased by 8.5%, High Speed Diesel by 3.0%, LPG by 12.9%, Aviation Turbine Fuel (ATF) by 17%, Bitumen by 24.2% and Lubes by 5.3% over the corresponding period of previous financial year.

The refineries at Mumbai and Visakh processed 4.60 MMT of crude during January-March 2019. The combined GRM during the period January-March 2019 was US\$ 4.51 per barrel as compared to US\$ 7.07 per barrel in the corresponding previous period. Refinery margins are lower mainly due to low cracks in light and middle distillate products.

During 2018-19, a number of capital projects were completed with highest ever overall capital expenditure of Rs 11,689 crore. Pipeline project for capacity expansion of Ramanandi Bahadurgarh Pipeline (RBPL) from 4.71 to 7.11 MMT/PA was completed within the scheduled time and cost. POL supply network was strengthened with commissioning of new railway tank wagon gantry at Visakh black oil terminal, revamp of the existing tank wagon facility at Jabalpur depot and commissioning of new aviation fuel stations at Amritsar, Bhubaneswar, Raipur and Kolhapur airports. LPG supply infrastructure was augmented with commissioning of a new LPG bottling plant at

Warangal (Telangana) with bottling capacity of 60 TMPTA and additional bottling capacity augmentation of 330 TMPTA at existing LPG plants.

478 new retail outlets and 1,018 new LPG distributorships were commissioned during 2018-19 taking the number of total retail outlets to 15,440 and number of total LPG distributors to 5,866 as of 31st March, 2019.

To enhance customer value and operational efficiency, a number of initiatives were undertaken during the year including procurement and roll out of Four (4) Rail rakes for LPG transportation; launch of mobile fuel dispenser 'HP Fuel Connect'; and implementation of SMART terminal initiative at various locations.

HPCL has expanded its global footprints and is supplying HP Lubricants to 11 Countries. Newly formed wholly owned subsidiary " HPCL Middle East FZCO" in Dubai has also commenced its operations.

HPCL's Visakh Refinery Modernization Project and Mumbai Refinery expansion Project are progressing well. Major contracts have been awarded and site construction activities are in progress for both the projects. Licensor selection for all the process units has been completed for 9 MMTPA greenfield refinery cum petrochemical complex project of HPCL Rajasthan Refinery Limited (HRRL) and site construction activities are in progress at Pachpadra in Barmer. Financial closure is achieved for Rajasthan Refinery project. HPCL R & D was awarded 12 national and international patents during the year.

#### **HPCL's major ongoing pipeline projects**

- Mundra Delhi Pipeline (MDPL) capacity expansion,
- Extension line from Palanpur to Vadodara including new greenfield terminal at Vadodara,
- Visakh Vijayawada Secunderabad pipeline (VVSPL) capacity expansion and
- Extension of Visakh Vijayawada Secunderabad pipeline (VVSPL) from Vijayawada to Dharmapuri & construction of marketing terminal at Dharmapuri are on track.

In addition, Uran Chakan LPG pipeline project is in advanced stage of completion. HPCL has been authorized to set up CGD networks in 9 states. With this HPCL on its own and through its JV companies has authorization for CGD network in 20 geographical areas in 9 states. Environmental clearance is received for LNG, regasification terminal being set up in Joint Venture at Chhara Gujarat.

To help increase coverage of clean cooking fuels in country, HPCL has provided about 1.97 crore new LPG connections under Pradhan Mantri Ujjwala Yojana (PMUY) to women from low income households. In

addition, HPCL has sensitized over 34 lakh people about safe and sustainable usage of LPG by conducting over 27,000 LPG Panchayats across the country as of 31st March, 2019.

To bring in a positive change and enrichment in the lives of less privileged people, HPCL has implemented a number of CSR initiatives in the area of Child education, Health Care, Education and Skill Development with an overall CSR spend of about Rs. 160 crore during 2018-19. To support Swachh Bharat Abhiyaan, HPCL has constructed over 2,300 new toilets in various schools across the country as of 31st March, 2019.

For outstanding performance across various spheres of business, HPCL was recognized with several prestigious International and National awards during the year. HPCL was conferred with

- "Oil Marketing Company of the Year" award by Federation of Indian Petroleum Industry (FIPI) for the third consecutive year
- "Best Navratna" award in 'Manufacturing, Processing and Generating Sector' category at Dun & Bradstreet PSU Awards 2018
- "Forecourt Retailer of the Year" award at Star Retailer Awards 2018
- "Vigilance Excellence Award 2018" for 'Best Institutional Practices' by Central Vigilance Commission (CVC)

[Go Back](#)

[Feedback](#) | [HPCL Stock Price](#) | [Contact Us](#) | [Website Policy](#) | [Help](#) | [Accessibility Statement](#) | [Sitemap](#)

© 2014, **HPCL**. All rights reserved. Site designed & developed by **BarrierBreak** 

 **india.gov.in**  
The national portal of India

